गदर आन्दोलन - 1913 - 1915

• उत्तर अमेरिका के पश्चिमी तट पर रहने वाले अप्रवासी भारतीयों के द्वारा अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने के उद्देश्य से क्रान्ति की योजना बनाई गई और इसी क्रम में 1913 में गदर नामक अखबार का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ इसी अखबार के कारण इसे गदर आन्दोलन कहते हैं।

नोट • गदर अखबार साप्ताहिक अखबार था और विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होता था जैसे- उर्दू, पश्तो, पंजाबी, गुजराती इत्यादि

• 1913 में ही अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में हिन्द एसोसिएशन नामक संस्था की स्थापना की गई थी और इसी संस्था के द्वारा अखबार का प्रकाशन किया जाता था।

- हिन्द एसोसिएशन के संस्थापक का नाम- सोहन सिंह भाखना (गदरी बाबा) एवं अन्य

गदर आन्दोलन क्यों?-

• कनाडा में रहने वाले भारतीय अप्रवासियों (अधिकांशतः सिख) के साथ भेदभाव युक्त

व्यवहार वहाँ के स्थानीय लोग भी करते थे जो श्वेत थे तथा इसमें सरकार भी शामिल थी।

- अप्रवासियों के द्वारा भारतीय एवं ब्रिटिश सरकार से मदद मांगी गई लेकिन सहयोग नही मिला।

- 20वीं सदी के प्रथम दशक में कनाडा के वैंकूवर में भारतीयों के द्वारा संगठित होने का प्रयास किया गया।

  जी.डी. कुमार - स्वदेश सेवक गृह
  रामनाथ पुरी - सर्कुलर ए आजादी
  तारकनाथ दास - फ्री हिन्दुस्तान।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- जब सरकार का दबाव भारतीयों पर बढ़ा तब उन्होनें अमेरिका के पाश्चेमी तट को क्रान्तिकारी गतिविधियों का केन्द्र बनाया 1913 में हिन्द एसोसिएशन की स्थापना, गदर अखबार का प्रकाशन इत्यादि इनकी मुख्य गतिविधियाँ थी।

- 1914 में कामागाटामारू जहाज प्रकरण को लेकर अप्रवासी भारतीयों में असंतोष और बढ़ा।

नोट :-

जापानी जहाज कामागाटामारु में बाबा गुरदत्त सिंह ने हाँगकांग से कनाडा की यात्रा की। ब्रिटिश सरकार के आदेश पर जहाज को भारत मे (बजबज नामक स्थान) वापस भेजा गया।

1914 में ही प्रथम विश्वयुद्ध की शुरूआत हुई क्रान्तिकारियों ने इसे अवसर के रूप मे देखा और भारत से अंग्रेजों को निकालने की योजना पर कार्य करना प्रारम्भ किया।

गतिविधियाँ :-

- करतार सिंह सराभा, रघुबीर दयाल इत्यादि क्रान्तिकारियों ने भारतीय क्रान्तिकारियों से सम्पर्क स्थापित किया तथा भारतीय सैनिकों से भी सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश की गई।
- युद्ध के कारण ब्रिटिश विरोधी राष्ट्रों से भी सहयोग प्राप्त करने की कोशिश की गई जर्मनी में जर्मन सरकार ने एक जिम्मरमैन योजना बनाई। इसका उद्देश्य था भारतीय क्रान्तिकारियों को संसाधन उपलब्ध कराना।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• जर्मनी में ही एक भारतीय स्वतंत्रता समिति बनाई गई।

Note :-

• अफगानिस्तान में राजा महेन्द्र प्रताप के नेतृत्व में एक अस्थायी सरकार का गठन हुआ इनके सहयोगी थे- बरकतुल्ला, उबैदुल्ला सिंधी

• सिंगापुर में ब्रिटिश भारतीय सैनिकों ने विद्रोह किया जिसमें मुख्यतः सिख रेजिमेन्ट के सैनिकों थे।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- फरवरी 1915 में रास बिहारी बोस के नेतृत्व में क्रान्ति की योजना बनाई गई सरकार को पूर्व सूचना मिल गई और यह योजना सफल नही हो पाई।

Note - रास बिहारी बोस से पूर्व लाला हरदयाल क्रान्ति का नेतृत्व करने वाले थे

महत्व :-

• अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय स्वतंत्रता का प्रश्न चर्चा का विषय बना।

• अप्रवासी भारतीयों में ब्रिटिश विरोधी भावना का प्रसार हुआ।

• अंग्रेजों का शोषणकारी चेहरा लोगों के सामने आया, आन्दोलनकारियों ने जाति, धर्म एवं क्षेत्र की सीमा को तोड़ते हुए एकता का प्रदर्शन किया।

• अग्रगामी क्रान्तिकारियों के बीच सम्पर्क का दायरा बढ़ा और यह आगे भी उपयोगी साबित हुआ।

Note :-

सैन-फ्रांसिसको में युगान्तर आश्रम नामक स्थान इसका मुख्यालय था।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR